SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR
सोलापूर विश्वविद्यालय, सोलापूर
Ph.D. (Prakrit) Course Work
विद्यावाचस्पती (प्राकृत) अध्ययन कार्यप्रणाली

पाठयक्ŕ´ö

प्रस्तावना :

विद्यापीठ अनुदान आयोग के मार्गदर्शक तत्त्वानुसार Ph.D. (विद्यावाचस्पती) के छात्रो के लिये पाठयक्रम अध्ययन कार्यप्रणाली पूर्ण करना अनिवार्य है।
प्राकृत एवं जैनॉलॉजी अभ्यासक्रम के व्दारा विद्यार्थियों को इस विषयों के प्राचीन एवं नये आयामों का परिचय होकर Ãöö“ö की एक दिशा प्राप्त हो यही इसका उद्दश्य है। शोधकार्य में प्रस्तुत पाठयक्रम सहकारी सिध्द हो यही भावना है।

पाठय विषय :

अध्ययन कार्यप्रणाली (Course Work) के प्राकृत एवं जैनॉलॉजी के इस पाठयक्रमö में कुल तीन प्रश्नपत्र रखे है। हर एक प्रश्नपत्र कुल १०० अंको का है। प्रश्नपत्र क्र. 3 वैकल्पिक होगा जिसमें से शोधöर्थियों को एक का चयन करना है। प्रश्नपत्र क्ö. 3 †) प्राकृत साहित्य क्ößविधायें 2ö) प्राकृत भाषा का व्याकरण एवं आगम ग्रंन्थ

SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR
सोलापूर विश्वविद्यालय, सोलापूर
Ph.D. (Prakrit) Course Work
विद्यावाचस्पती (प्राकृत) अध्ययन कार्यप्रणाली

पेपर क्र.२

^§¿य :

1. प्राकृत का ×¾Ö×¾Ö¬Ö ÃÖÏÖ¸Ö काÖ ×¾ÖकाÖÃ अभ्यास
2. प्राकृत का विविध प्रकारÖ का परिचय
3. प्राकृत भाषा के आश्रयदाताओं का परिचय
4. संस्कृत नाटकÖ ´Ö प्राकृत काÖ स्थान
5. शिलालेख ‹¾Ö´Ö ÆÃÖÏ×»Ö×खÖÏÖ का †ध्ययन ¼¤Ö¸Ö ×वद्यार्थियों को सक्षम बनानÖ…

¯ÖÖš¶क´Ö :

क. प्राकृत भाषा का उद्गम

1. भाषा विकास ‹¾Ö´Ö प्राकृत
2. ¾Ö×¤क / छान्दस ´Ö प्राकृत भाषा
3. प्राकृÖ काß व्यÖ¯Ö×¢Ö

ख. प्राकृत का विविध प्रकार

1. शौरसेनी
2. मागधी
3. अर्धमागधी
4. ¯Ö¿ÖÖ“Öß
5. ´ÖÆÖ¸ÖÂ™ß
6. †¯Ö³ÖÎÖ

ग. प्राकृत ³ÖÖÂÖÖ विकास का ×¾Ö×¾Ö¬Ö ÃÖÏÖ¸

1. प्रथम युगÖßन प्राकृत
2. ×«तीय युगßन प्राकृत
3. अर्वाचीन प्राकृत

‘Ö. ×¾Ö×¾Ö¬Ö ×¾Ö¬ÖÖ†Ö ´Ö प्राकृत

1. संस्कृत नाटका ´Ö प्रयुक्त प्राकृत
2. शिलालेखा ´Ö प्राकृत काÖ ¯Ö“ÖÖ¸
3. हस्तलिखिता ´Ö संरक्षित प्राकृत

SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR
सोलापूर विश्वविद्यालय, सोलापूर
Ph.D. (Prakrit) Course Work
विद्यावाचस्पती (प्राकृत) अध्ययन कार्यप्रणाली

पेपर क्र. 3 / †

प्राकृत साहित्य कîß विधायें

^§श्य :

1. प्राकृत साहित्य कî ×¾Ö×वध विधाओं का अभ्यास करना…
2. प्राकृतातील कथा साहित्य कîÖ अभ्यास
3. विविध प्राकृतों में लिखित चरित्र ग्रंथ कîÖ अभ्यास
4. प्राकृत काव्य साहित्य परिचय
5. प्राकृत स¼क साहित्य

पाठयक्रम :

क. प्राकृत कथा साहित्य

1. Ã¾ÖºþÖ <¾Ö ŸÖŸ¾Ö
2. प्राकृत कथा साहित्या कîा विकास
3. प्राकृत कथांओं क प्रकार
4. ¾ÖÃÖ¤¾ÖÖÆ>ß, ÃÖ´Ö¸Ö‡““Ö कहा, धूर्ताख्यान कîÆÖ , नम्मयासुंदरी कहा, पाईय विण्णÖÖण कहा

ख. प्राकृत चरित्र साहित्य

1. प्राकृत चरित्र साहित्य कîा विकास
2. पउमचरित्र, महावीरचरित्र, कुम्मपुात्रचरित्र जंबु सामि चरियÖ

ग. प्राकृत काव्य साहित्य

1. महाकाव्य
2. सेतुबंध, ग^>¾ÖÆÖ, ×»Ö»ÖÖ¾Ö‡
3. खंडकाव्य
4. कîÃÖ¾ÖÆा, उषानि¹ध्द, भृंगसंदेश

घ. प्राकृत सट्टक साहित्य

1. सट्टक कîÖ लक्षण
2. सट्टक कîß ×¾Ö-ÖÖ<
3. कî¯Öरमंजिरी, श्रृंगारमंजिरी, रंभामंजिरी

SOLAPUR UNIVERSITY, SOLAPUR
सोलापूर विश्वविद्यालय, सोलापूर
Ph.D. (Prakrit) Course Work
×¾Ö ª Ö¾ÖÖ“ÖÃ¯ÖŸÖß (प्राकृत) अध्ययन कार्यप्रणाली

पेपर क्र. 3 / ²Ö

प्राकृत भाषÖ†Ö कßÖ व्याकरण ‹¾Ö´Ö आगम ग्रंथ

^§ेश्य :

1. आगम ´Ö संरक्षित प्राकृत कßा अभ्यास
2. श्वेतांबर आगम कßा अभ्यास
3. दिगंबर आगम कßÖ अभ्यास
4. प्राकृत कßÖ व्याकरण ‹¾Ö´Ö व्याकरणकारों का परिचय

¯ÖÖš¶क्ß´Ö :

क. आगम ग्रंथ परिचय

1. आगम ग्रंथ कßß संकल्पना
2. दिगंबर आगम ग्रंथ की संकल्पना
3. श्वेतांबर आगम कßÖ परिचय

ख. प्राकृत व्याकरण ‹¾Ö´Ö व्याकरणकारों का परिचय

1. प्राकृत व्याकरण विभाग
2. ×¾Ö×¾Ö¬Ö व्याकरणकारा कßा परिचय
3. ¯ÖÖकßŸÖ ³ÖÖÂÖÖ†Ö कß विविध व्याकरण ग्रंथ

Prakrit Ph.D. Course Work
Nature of Question Paper
विद्यावाचस्पती प्राकृत अध्ययन कार्यप्रणाली

प्रश्नपत्र प्रारूप

1. Ph.D. कोर्स वर्क हेतु दिर्घोत्तरी एवं लघुत्तरी अथÖŸÖ Long Answer <ÃÖÆß प्रश्न होंगे ।
2. Ph.D. (Course Work) प्रश्नपत्रिका मे किसी भी प्रकार का वैकल्पिक प्रश्न नही होगा ।
3. कुल प्रश्न ५ इस प्रकार से १ से ५ प्रश्न होंगे…
4. हर एक मुख्य प्रश्न को २० इस प्रकार प्रश्नपत्रिका में कुल ५ प्रश्न होंगÖ…
5. अ) दिर्घोत्तरी प्रश्न १० अंको के होंगे…

   ब) लघुत्तरी प्रश्न ५ अंको के होंगे…

Prakrit Ph.D. Course Work

विद्यावाचस्पती प्राकृत अध्ययन कार्यप्रणाली

संदर्भ ग्र£ö

1. प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. नेमिचन्द्र ¿ööÃ¡öß, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी, १९८८
2. भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी, डॉ. सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या, प्र. राजकमल प्रकाशन, सन् १९५७ ।
3. चाटुर्ज्या द्वारा लिखित - 'भारतीय - आर्यभाषा और हिन्दी' द्वितीय Ãöस्करण ...
4. An Introduction to Comparative philology, Dr. P. D. Gune. second Impressions, 1950.
5. प्राकृत भाषा और उसका साहित्य - >ö. Æ¸¡¤¾ö ²ööÆ¸ß - राजकमल प्रकाशन, प्रथम संस्करण ...
6. प्राकृत भाषा - डॉ. प्रबोध बेचरदास पण्डित, प्रकाशक श्री पार्श्वनाथ विद्याश्रम, वाराणसी, सन् १९५४...
7. देशीनाममाला मु. बनर्जी सम्पादक, कलकत्ता, सन् १९६१ ई. १।३, १।४
8. प्राकृत सöö×हत्य कö ‡×ŸöÆöÃö, डॉ. जगदिशचन्द्र जैन...
9. >ö. »ööÆ «ö¸ö Ãö´¯öö×¤त वुध्दिस्टिक स्टडीज, ...
10. पालि महाव्याकरण, सारनाथ , १९४० ई. ...
11. शाक्य और बुध्दिस्ट ऑरीजिन्स...
12. ¯öö×»ö साहित्य का इतिहास, प्रयाग, वि. सं. २००८ ...
13. ¯öö‡†ö-Ãö§-महण्णवो-द्वितीय संस्करण वाराणसी उपोद्घात, ...
14. »ööÆö : ×ÆÃ™ß †ö±ú ¯öö×»ö×»ö™¸“ö¸ ×•ö»¤ ¯öÆ»öß भूमिका।
15. कöत्यायन व्याकरणö - तारा पब्लिकेशन्स, वाराणसी सन् १९६२ ई....
16. नाट्य शास्त्र - चौखम्भा संस्कृत सीरिज वाराणसी...
17. कöú´¯ö¸×™¾ö Ã™>ß †ö±ú †¿öकन इन्स्क्रिप¿öÃö , डॉ. मधुकर अनन्त ´öÆ>»ö...
18. Âö™खंडागम -ö¾ö»ööटीका, जिवराज जैन ग्रंथमाला, सोलापूर प्रकाशन...